

आईआईटी से पीएचडी छोड़ी
तो लौटानी होगी फैलो राशि

भारतीय प्रौद्योगिकी INDIAN INSTITUTE

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में चयनित पीएचडी फैलो अगर बीच में ही शोधकार्य छोड़ते हैं, तो उन्हें फैलोशिप में अब तक मिली पूरी राशि लौटानी होगी। दरअसल, प्रधानमंत्री रिसर्च फैलोशिप के लिए एमएचआरडी ने फैलोशिप राशि 25000 से बढ़ाकर 75000 रुपये प्रति महीना कर दी है। लेकिन इसके साथ ही बीच में पीएचडी छोड़ने वाले शोधार्थियों पर सख्ती भी की है। इसके तहत बीच में ही डिग्री छोड़ने वाले शोधार्थियों को पूरी राशि सरकार को लौटानी होगी। मंत्रालय ने यह कदम बड़ी संख्या में बीच में ही शोध छोड़ने के मामले बढ़ने के मद्देनजर उठाया है। हालांकि मंत्रालय की इस योजना को अभी कैबिनेट की मंजूरी मिलना बाकी है। मंजूरी मिलते ही यह नियम लागू हो जाएगा। फैलोशिप की राशि बढ़ाए जाने से विद्यार्थियों में भी उत्साह नजर आ रहा है।

बीटेक छात्रों को मिलेगी मदद : मंत्रालय ने बताया कि यह राशि उन छात्रों को दी जाएगी, जो बीटेक के बाद सीधे पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेना चाहते हैं। मंत्रालय के अनुसार, शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अधिक छात्रों को बीटेक के बाद सीधे पीएचडी में पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है। इसलिए यह योजना तैयार की गई है। जहां छात्रों को मल्टीनेशनल कंपनियों के वेतन जितनी फैलोशिप दी जाएगी। राशि बढ़ने से विद्यार्थी खुश नजर आ रहे हैं।